एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

सुरक्षित बीज भण्डारण

(*डॉ. एस. के. कुमावत[1], डॉ. एस. आर. कुमावत[2] एवं डॉ. जे. के. शर्मा[2])
[1]भारतीय मृदा एवं भू-उपयोग सर्वेक्षण, हैदराबाद
[2]कृषि अनुसंधान उपकेंद्र, सुमेरपुर, पाली
*संवादी लेखक का ईमेल पता: skksoil2010@gmail.com

फसल कटाई के बाद बीजों को कम नमी और कम तापमान पर रखने से उनकी गुणवता को काफी समय तक रोका जा सकता है, लेकिन बीजों के भण्डारण के स्थान पर अधिक नमी हो तो बीज में कई प्रकार के कीट व कवकों का बीज पर आक्रमण हो जाता है। इससे बीजों की गुणवता को भारी नुकसान पहुंचता है। वैज्ञानिक रूप से प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) बीज यदि लाते ले जाते समय सही देखभाल एवं भण्डारण नहीं किया जाये तो इसका प्रभाव बीजों के अंकुरण क्षमता पर पड़ता है।

भण्डार गृह के लिए मुख्य बिन्दु:-

1. भण्डारण के लिए सही स्थान का चुनाव:- बीज के भंडारण हेतु स्थान आस-पास के स्थान से थोड़ा ऊंचा उठा होना चाहिए। जिससे यहां पानी नहीं भरे एवं वर्षा का पानी नही रूक सके, जहां दीमक का प्रकोप हो, वहां भण्डार गृह नहीं होने चाहिए।
2. भण्डार गृह की सतह चिकनी एवं गड्ढे रहित होनी चाहिए।
3. भण्डार गृह की दीवारों में किसी प्रकार की दरारें नहीं हो क्योकिं ऐसा कीड़ों के प्रजनन का महत्वपूर्ण स्थान होता है।
4. भण्डार गृह की खिड़कियां बन्द होनी चाहिए तथा छाया वाले स्थान पर होनी चाहिए।
5. भण्डार गृह की छत में भी दरारें नहीं होनी चाहिए, जिससे छत से आने वाली नमी को रोका जा सकें।
6. दरवाजे बड़े होने चाहिए ताकि बीज निकालने एवं अन्दर करने में आसानी रहे।

भण्डार गृह की सफाई:- भण्डार गृह की सफाई समय-समय पर करते रहना चाहिए। भण्डार गृह में खाली स्थान (बोरियों के अलावा) की सप्ताह में एक बार तथा बोरियों की एक माह के अन्तराल पर सफाई करनी चाहिए। दीवारों एवं छत की सफाई गंदी दिखने पर करनी चाहिए तथा कचरे को जला देना चाहिए। उपरोक्त दर्षायी गई विधियों व सावधानियों का प्रयोग करने के बाद भी कीट लगने पर विभिन्न प्रकार के रसायनों का उपयोग भी किया जा सकता है।

गेहूं, जौ, बाजरा बीज सुरक्षा के लिए कीटनाशक का प्रयोग

1. डेल्टामेथ्रिन चार मिली लीटर दवा को आधा लीटर पानी में मिलाकर प्रति क्विंटल बीज की दर से सीड ड्रेसर में मिलाकर एवं बीज को अच्छी तरह सुखाकर बोरियों में भरकर एक साल तक कीट रहित भण्डारण किया जा सकता है।

2. अखाद्य तेल का प्रयोग:- नीम एवं पलास के तेल का पांच मि.ली. प्रति किलो बीज की दर से उपयोग कर गेहूं के बीज को एक वर्ष तक घुन से सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे अंकुरण भी प्रभावित नहीं होता।

दलहन बीजों के लिए कीटनाशक का प्रयोग: थायरम (80 प्रतिशत डब्ल्यू.पी.) 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपयोग कर बीज को ढोरा कीट से सुरक्षित रखा जा सकता है।

खाद्य तेल का प्रयोग: चने के बीज को मूंगफली या सरसों के तेल से 10 मि.ली. प्रति किलो की दर से उपचारित कर ढोरा कीट के प्रकोप से सुरक्षित रखा जा सकता है।

डेल्टामेथ्रिन का बोरियों पर छिड़काव:- बोरियों पर डेल्टामेथ्रिन 2.5 डब्ल्यू.पी. (0.0125 प्रतिशत या 125 पी.पी.एम.) से अच्छी तरह छिड़काव कर सुखा लेना चाहिए। फिर इनमें बीज भरकर रखनें से बीज को छः माह तक कीड़ों से सुरक्षित रखा जा सकता है।

मूंग के बीजों को थायोमिथाक्सम 70 डब्ल्यू.एस. 2.8 मि.ग्रा. प्रति किलो की दर से या डेल्टामेथ्रिन 2.5 डब्ल्यू.पी. 40 मि.ग्राम प्रति किलो की दर से उपचारित करने तथा उनका भण्डारण जूट की बोरियों में करने से 9 माह तक सुरक्षित रखा जा सकता है। ऐसा करने से बीजों की अंकुरण क्षमता भी बरकरार रहती है।

कपास के बीजों का भण्डारण:- कपास के बीज में छुपी हुई गुलाबी सूंडी को नष्ट करने के लिए बीजों को धूमित करने हेतु 40 किलो बीज में एल्यूमिनियम फास्फाइड की 3 ग्राम मात्रा काफी रहती है। बीज में दवा डालकर उसे हवा रोधी बनाकर 24 घंटे तक बन्द रखने के बाद भण्डारण करें। धूमित करना संभव न हो तो तेज धूप में बीजों को पतली सतह के रूप में फैला कर 6 घंटे तक तपने देवे एवं बाद में भण्डारण करें।

भण्डारण के लिए 700 गेज पॉलीथीन बैग का उपयोग:- इसमें सब्जी वाली फसलों जैसे मिर्च, प्याज आदि का सुरक्षित भण्डारण किया जा सकता है, लेकिन 700 गेज पॉलीथीन का ही उपयोग करें एवं बीज में किसी प्रकार के कीट का प्रकोप नहीं होना चाहिए। बैग में भरने से पूर्व बीज पूरी तरह सूखा (नमी 5 प्रतिशत या 5 से कम) होना चाहिए।

बीज भण्डारण में सावधानियाँ:- (अन्य बीजों के लिए)

1. खलिहान से बीज को अच्छी तरह से सफाई के बाद ही भण्डारण करना चाहिए।
2. नमी की मात्रा 8 से 9 प्रतिशत होनी चाहिए।
3. 40-50 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान पर काले पॉलीथीन के ऊपर बीजों को 8-10 घण्टे सुखाने पर भण्डारण कीटों का प्रकोप नष्ट हो जाता है। उसके बाद बीजों को 700 गेज पॉलीथीन में सील करके, रख देना चाहिए। इसके भण्डारण में कीटों का प्रकोप नहीं होता तथा अंकुरण क्षमता भी प्रभावित नहीं होती है।
4. भण्डार गृह में विण्डो ट्रेप व ग्रेन प्रोब का इस्तेमाल करके कीड़ों के आगमन का पता लगाकर उसका सही उपचार करना चाहिए।